प्रकाशार्थ

पटना, 5 अगस्त। विकास तभी संभव है जब ज्ञान को प्रणाली में एकीकृत किया जाए, और पिछले बीस वर्षों में बिहार का शक्तिशाली रूपांतरण इस तथ्य का प्रमाण है। बिहार सरकार के माननीय ग्रामीण कार्य मंत्री श्री अशोक चौधरी ने आज एशियन डेवलपमेंट रिसर्च इंस्टीट्यूट (ADRI) द्वारा संचालित जन शिक्षण संस्थान (JSS) की 25वीं वर्षगांठ पर आयोजित "पिछले दो दशकों में बिहार का सामाजिक-आर्थिक रूपांतरण" विषयक कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में यह विचार व्यक्त किए। JSS पिछले दो दशकों से अनौपचारिक शिक्षा क्षेत्र में वंचित समुदायों को कौशल प्रदान कर रहा है।

आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि जब श्री नीतीश कुमार ने कार्यभार संभाला था, तब बिहार की 46 प्रतिशत आबादी गरीबी रेखा से नीचे थी, जो अब घटकर सिर्फ 16 प्रतिशत रह गई है। राज्य का बजट महज 24 हजार करोड़ रुपये से बढ़कर आज 3 लाख 18 हजार करोड़ रुपये हो गया है। प्रति व्यक्ति मासिक आय 7,000 रुपये से बढ़कर अब प्रभावशाली 66,000 रुपये हो गई है। महिलाओं की स्थिति में नौकरी में आरक्षण जैसी पहलों के माध्यम से उल्लेखनीय सुधार हुआ है। दंगे और नक्सली गतिविधियाँ अब अतीत की बात हो गई हैं।

ADRI की सदस्य-सचिव डॉ. अश्मिता गुप्ता ने बताया कि कैसे आद्री संस्था का शोधकार्य बिहार की विकास प्राथमिकताओं के अनुरूप है। उन्होंने बताया कि ADRI उच्च प्रभाव वाले शोध और नीतिगत क्रियान्वयन के संगम पर कार्य कर रहा है और यह विश्वस्तरीय शोधकर्ताओं की एक वैश्विक प्रयोगशाला बन गया है। वर्तमान में संस्था का सबसे प्रमुख कार्य बिहार में लगभग 20,000 निजी स्वास्थ्य इकाइयों का भू-मैपिंग (Geo-mapping) है।

माननीय मंत्री का स्वागत ADRI के अध्यक्ष श्री दिलीप सिन्हा, डॉ. नीरज प्रकाश और डॉ. सुनीता लाल ने किया। श्री सिन्हा ने आशा व्यक्त की कि ADRI आगे भी, खासकर ग्रामीण विकास विभाग के सहयोग से बिहार के सामाजिक-आर्थिक विकास में सहयोग करता रहेगा।

इस अवसर पर CHP-ADRI की डॉ. संचित महापात्रा और डॉ. सूरज शंकर भी उपस्थित थे। माननीय मंत्री ने JSS के प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र भी वितरित किए। धन्यवाद ज्ञापन JSS के निदेशक डॉ. संदीप कुमार ने दिया।

(अभिषेक प्रसाद)